नवभारत

ससून को आर्थिक सहायता

फिनोलेक्स व मुकुल माधव फाउंडेशन ने दिए आधुनिक उपकरण

संवाददाता

पुणे. पीवीसी पाइप्स के उत्पादन में अग्रणी कंपनी फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज व उसके सीएसआर पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से ससून अस्पताल को दो करोड़ रुपए की आर्थिक मदद की गई. अत्याधुनिक वैद्यकीय उपकरण दिए गए.

आगामी 16 अप्रैल को नवजात शिशु अतिदक्षता विभाग (एनआयसीयू) के दूसरे, व एंडोस्कोपी यूनिट के पहले स्थापना दिन पर आधुनिक यंत्रणा का औपचारिक उद्घाटन होगा. एंडोस्कोपी यूनिट व एनआयसीयू विभाग में ये आधुनिक यंत्र लगाए जाएंगे. एंडोस्कोपी यूनिट में किरणों से बचाव के लिए अल्ट्रा साउंड विथ हेड प्रोटेक्शन, थायरॉइड शील्ड, लीड एप्रॉन,प्रोटेक्टिव आय गिअर्स, ओजिडी स्कोप आदी उपकरणों का तो एनआयसीयू में क्रिटिकूल, अत्याधुनिक सेंट्रल एयर प्रेशर, दो, सिपाप, ब्लड गैस एनालायजर, ब्रेन एनालायजर उपकरणों का समावेश है.

अप्रैल 2017 में 59 बेड का एनआयसीयू यूनिट, तो मार्च 2018 में डोस्कोपी यूनिट शुरू किया गया.

किफायती दर पर विश्व स्तरीय सुविधा

वैश्विक स्तर की स्वास्थ्य सुविधा आम लोगों को किफायती दर में आसानी से मिल सके,यह फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज व मुकुल माधव फाउंडेशन का उद्देश्य है. इसके साथ ही ससून अस्पताल में मरीजों के रिश्तेदारों के लिए सभी सुविधाओं के साथ तीन सुसज्ज विश्रांति कक्ष बनाए गए हैं. समविचारी लोगों की मदद से फाउंडेशन की ओर से 10 लाख रुपए की निधि से आधुनिक लेसर मशीन द्वारा दंतरोपण सुविधा उपलब्ध कराई गई है. इस तरह की दंतचिकित्सा करनेवाला यह पहला सरकारी अस्पताल है. डायबिटीस, यकृत प्रत्यारोपण व नेत्रोपचार सेवा देने के लिए फाउंडेशन प्रयत्नशील है.

100 विद्यार्थियों के लिए लाइब्रेरी

फिनोलेक्स, मुकुल माधव फाउंडेशन 2012 से ससून अस्पताल से जोड़े गए. बी. जे. वैद्यकीय महाविद्यालय के जरूरतमंद बच्चों को आर्थिक सहायता की जाती है. 100 विद्यार्थियों के लिए लाइब्रेरी बनाई गई है. मुकुल माधव फाउंडेशन की व्यवस्थापकीय विश्वस्त रितु प्रकाश छाबरिया ने कहा कि केवल उपक्रमों को वित्तीय सहायता देकर ही हम रूकेंगे नहीं. पैसे दिए व हमारी जिम्मेदारी खत्म, ऐसे स्वरूप में हम काम नहीं करते. समाज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा अल्पदर में उपलब्ध हो, इसके लिए प्रयत्नशील हैं.

हमारे पास के यंत्रणा के माध्यम से समाज की जरूरतमंद को समझते हुए उसके अनुसार उसपर काम कर रहे हैं. एनआयसी के कारण पिछले दो वर्ष में 5200 बच्चों को जीवदान दिया गया. तो एंडोस्कोपी के मार्फत केवल 350 से 1150 रुपए में उपचार करने में सफलता मिली है.

- इसका हमें आनंद है. ससून अस्पताल के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. अजय चंदनवाले ने कहा कि पहली बार सरकारी अस्पताल व उद्योगसमूह के संयुक्त प्रयत्नों से ऐसा बेहतर उपक्रम शुरू हुआ. आज ससून अस्पताल को समाज की ओर से आर्थिक सहायता मिल रहा है.

- इससे यहां का उपचार अत्याधुनिक हो रहा है. आम लोगों के लिए अनेक शल्यक्रिया यहां होने लगे हैं. 'ससून फॉर कॉमन मैन' संकल्पना प्रत्यक्ष में आ रही है. आम लोगों के लिए ससून अस्पताल आधार बन गया है.